

## ॐ जय लक्ष्मी माता आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।  
तुमको निशिदिन सेवत, हरि विष्णु विधाता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।  
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पत्ति दाता ।  
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।  
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता ।  
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता ।  
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

शुभ-गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।  
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता ।  
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1440/title/om-jai-Lakshmi-mata-Laxmi-maa-aarti>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |